Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J – 1709

PAPER – III

MANAGEMENT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

MANAGEMENT

प्रबंधन

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Frederick W. Taylor based his management system on production–line time studies. Instead of relying on traditional work methods, he analysed and timed steel workers' movements and designed the quickest and best methods of performing each component. Taylor thereby established how much workers should be able to do with the equipment and materials at hand. He also encouraged employers to pay more to productive workers at a higher rate than others. The higher rate was carefully calculated based on the greater profit that would result from increased production. Thus workers were urged to surpass their previous performance standards to earn more pay. Taylor called his plan the 'differential rate system'. He believed that workers who met the higher standards need not fear lay offs because their companies benefited from their higher productivity. The higher payments were assured because they were "scientifically correct" rates set at a level that was the best for both company and worker. He insisted that no one would be hurt by the differential system because those workers who fell below the standards would find other work " in a day or two" because of the existing labour shortage.

Although Taylor's methods led to dramatic increases in productivity and to higher pay in a number of instances, workers and unions began to oppose his approach because they feared that working harder or faster would exhaust whatever work was available, causing layoffs. The fact that workers had been laid off at Simonds and other organizations that adopted Taylor's methods encouraged this fear. As Taylor's ideas spread, so did the opposition to them.

By 1912, resistance to Taylorism had caused a strike at the Water town Arsenal in Massachusetts, and hostile members of congress called on Taylor to explain his ideas and techniques. Both in his testimony and in his two books, 'Shop Management' and 'The Principles of Scientific Management', Taylor rested his philosophy on four basic principles :

(a) The development of a true science of management, so that the best method for performing each task could be determined.

(b) The scientific selection of workers, so that each worker would be given responsibility for the task for which he or she was best suited.

(c) The scientific education and development of the worker.

(d) Intimate, friendly cooperation between management and labour.

Taylor contended that the success of these principles required "a complete mental revolution" on the part of management and labour. Irrespective of profits, labour and management would no longer have to fight over them. In short, Taylor believed that management and labor had a common interest in increasing productivity.

फ्रेडरिक डब्ल्यू. टेयलर ने अपनी प्रबन्धन-प्रणाली को उत्पादन-रेखा के समय-अध्ययन पर आधारित किया। पारम्परिक कार्य ढंगो की अपेक्षा उसने स्टील श्रमिकों की क्रियाओं का विश्लेषण किया और उन्हें समयबद्ध किया और उसने कार्य के प्रत्येक हिस्से को करने के लिए सर्वोत्तम एवं तीव्रतम उपायों को प्रारुप तैयार किया। टेयलर ने इस प्रकार यह स्थापित कर दिया कि श्रमिकों के हाथों में जो उपकरण एवं सामग्री है, उनसे वे क्या कुछ कर सकते हैं। उसने रोजगार दाताओं को भी उत्साहित किया कि वे दूसरों की अपेक्षा ज्यादा उत्पादन करने वाले श्रमिकों को उच्च दर पर अदायगी करें। इस उच्च दर का ध्यानपूर्वक परिगणित किया गया था और यह बढ़े हुए उत्पादन के कारण होने वाले उच्चतर लाभ पर आधारित था। फलत: श्रमिकों से आगे से अधिक वेतन पाने के लिए अपने पुरातन कार्य-निष्पादन के मानकों को पार करने के लिए प्रेरित किया। टेयलर ने इस योजना को 'विभेदक दर प्रणाली' का नाम दिया है। उसका विश्वास था कि उन श्रमिकों. जिन्होंने उच्चतम मानक को पूरा कर दिया है, उन्हें कार्य से हटाये जाने का भय नहीं होना चाहिए क्योंकि उनकी कम्पनियों ने उनकी उच्चतर उत्पादकता का लाभ उठाया है। उच्चतर अदायगी को यकीनी बनाया गया क्योंकि वे 'वैज्ञानिक रुप से सही' दर थे जिन्हें उस स्तर पर स्थापित किया गया था। जिस पर वे कम्पनी और श्रमिक दोनों के लिए सर्वोत्तम थे। उसने इस बात पर बल दिया कि इस विभेदक प्रणाली से किसी को हानि न होगी क्योंकि वे श्रमिक, जो मानक से नीचे रह जाते हैं 'एक अथवा दो दिन में' कोई दूसरा कार्य ढूँढ लेंगे क्योंकि श्रमिकों की कमी बनी हुई है।

यद्यपि टेयलर के उपायों से उत्पादकता में नाटकीय वृद्धि हुई और अनेक उदाहरण हैं जहाँ उच्चतर अदायगी भी हुई श्रमिकों और श्रमिक संघों ने टेयलर के दृष्टिकोण का विरोध प्रारम्भ किया क्योंकि उन्हें डर था कि ज्यादा परीश्रम और तीव्रता से कार्य करने पर जो भी कार्य अब उपलब्ध है, वह समाप्त हो जाएगा जिससे उन्हें काम से अस्थायी रुप में आराम दे दिया जाएगा। इस सच्चाई ने कि साइमण्ड तथा अन्य संगठनों जहाँ टेयलर के उपायों को अपनाया गया था वहाँ ऐसा हो चुका था, इसने उनके डर को बढ़ाया था। जिस प्रकार टेयलर के विचारों का प्रसार हुआ, उसी प्रकार उनका विरोध भी बढ़ता रहा।

1912 तक, टेयलर वाद के विरोध के कारण मसाचुसैटस के वाटर टाउन आर्सेनल में हड़ताल हुई और श्रमिक संघ के विरोधी टेयलर से मिले और उसे अपने विचारों और तकनीकों की व्याख्या करने के लिए कहा। अपनी दो पुस्तकों 'शॉप मैनेजमेंट' और 'प्रिंसीपल्ज़ ऑफ साइंटिफिक मैनेज़मेण्ट' और अपने साक्ष्य में, टेयलर ने अपने दर्शन को चार मूल सिद्धान्तों पर आधारित बतलाया :

(a) प्रबन्धन के सही विज्ञान का विकास ताकि प्रत्येक कार्य को करने के सर्वोत्तम ढंग को निश्चित किया जा सके।

(b) श्रमिकों का वैज्ञानिक चयन ताकि प्रत्येक श्रमिक को उस कार्य करने का उत्तरदायित्व सौंपा जाए जिन्हें वे करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त हैं।

(c) श्रमिकों को वैज्ञानिक शिक्षा और उनका विकास।

(d) प्रबन्ध एवं श्रम के बीच निकटतम एवं मैत्रीपूर्ण सहयोग।

टेयलर का यह मत था कि इन सिद्धान्तों की सफलता के लिए प्रबन्धन और श्रम में 'सम्पूर्ण मानसिक क्रान्ति' की आवश्यकता है। लाभ का ध्यान किये बिना श्रम और प्रबधन को लाभ के प्रश्न पर झगड़ा करने की आवश्यक्ता नहीं रहेगी। सारांशतया, टेयलर का विश्वास था कि उत्पादकता में वृद्धि करना श्रम और प्रबन्धन दोनों के हित में है।

1. What is differential rate system ?

विभेदक दर प्रणाली क्या है ?

2. Why did F. W. Taylor Conduct Time Studies ?

एफ.डब्ल्यू.टेयलर ने समय-अध्ययन क्यों किया ?

3. State the reasons for workers opposing Taylor's approach.

टेयलर के दृष्टिकोण का श्रमिकों ने किन कारणों से विरोध किया ?

4. What are the basic principles of scientific management ?

वैज्ञानिक प्रबन्धन के मूल सिद्धान्त क्या है ?

5. What is meant by 'Mental Revolution' as suggested by Taylor ?

टेयलर द्वारा सुझाई गई 'मानसिक क्रान्ति' का क्या अर्थ है ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Explain the Law of Diminishing Marginal Utility.

घटती हुई सिमान्त उपयोगिता के नियम को समझायें।

7. Discuss the motivation theory of Herzberg.

हर्जबर्ग के अभिप्रेरणा सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

8. What is Job Analysis ? How can you make use of information it provides ?

जॉब विश्लेषण क्या है ? इसके द्वारा प्रदान की गयी सूचनाओं का प्रयोग आप किस प्रकार कर सकते हैं ?

9. Explain the problems to be avoided in appraising performance.

निष्पादन का मूल्यांकन करते समय आने वाली समस्याओं का वर्णन कीजिए।

10. Define and give formula for current yield and yield to maturity.

वर्तमान प्राप्य और परिपक्वता तक के प्राप्य की परिभाषा दीजिये और सूत्र दीजिये।

11. Define and give formula for weighted average cost of capital.

भारित औसत पूंजी–लागत की परिभाषा दीजिये एवं सूत्र दीजिये।

12. Explain the Brand building strategies.

ब्रांड बनाने की रणनीतियों का वर्णन कीजिए।

13. What are the strategies to be adopted in each stage of product life cycle ?

उत्पाद जीवन चक्र के प्रत्येक अवस्था में कौन सी रणनीतियाँ अपनायी जाती है ?

14. What do you mean by Quality tolerance limit in Quality Control ?

गुणवत्ता नियंत्रण में गुणवत्ता सहन सीमा से आप क्या समझते हैं ?

15. A stock broker claims that he can predict with 80 percent accuracy whether a stock's market value will rise or fall during a coming month. As a test he predicts the outcome of 40 stocks and is correct in 28 of the predictions. Does this evidence support the stock broker's claim at 5% level of significance ? *(Critical value is 1.96)*

एक स्टाक दलाल 80 प्रतिशत सत्यता के साथ पूर्वानुमान लगाता है कि स्टाक का बाजार मूल्य अगले महीने बढ़ेगा या घटेगा। इसकी पुष्ठि हेतू वह दावा करता है कि 40 स्टाक में से उसकी भविष्यवाणी 28 स्टाक में सही है। क्या स्टाक ब्रोकर का दावा सही है : इसकी जाँच 5 प्रतिशत लेवल आफ सिग्निफिकेन्स पर कीजिये। (क्रिटिकल वेल्यू 1.96 है)

16. Discuss the importance of a clear mission statement.

एक स्पष्ट मिशन वक्तव्य के महत्व की विवेचना कीजिए।

17. Explain the process for strategic decision making.

रणनीतिक निर्णयन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

18. Enumerate the characteristics of Entrepreneurship.

उद्यमिता के लक्षण बताइये।

19. What are the reasons for sickness in small enterprises ?

लघु उपक्रमों में रूग्णता के क्या कारण हो सकते हैं ?

20. "Ethics has no place in business". Discuss this statement.

''व्यवसाय में नैतिकता का कोई स्थान नहीं है'', इस कथन की विवेचना कीजिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives specialisations. The candidate has to choose *only one* elective specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में चार ऐच्छिक भागों से लिए गए पाँच-पाँच (5) प्रश्न हैं। किसी एक ऐच्छिक भाग का चयन कीजिए और उसमें सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 12 अंक है।

(12x 5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. What is Career Development ? Discuss the role of employee in career development process.

जीवन वृत्त (कैरियर) विकास क्या है ? जीवन वृत्त विकास प्रक्रिया में कर्मचारी के भूमिका की विवेचना कीजिए।

22. Discuss the role of Assessment Centres in Employee-testing.

कर्मचारी चयन में मूल्यांकन केन्द्रों के भूमिका की विवेचना कीजिए।

23. Discuss some important Job evaluation techniques.

जॉब मूल्यांकन की कुछ प्रमुख विधियों की विवेचना कीजिए।

24. Discuss important causes of employee indiscipline.

कर्मचारी अनुशासनहीनता के प्रमुख करणों की विवेचना कीजिए।

25. Discuss future of Human Resource Management in Indian context.

भारतीय संदर्भ में मानव संसाधन प्रबंध की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

21. Examine the influences of different environments of marketing.
विपणन पर विभिन्न वातावरणों के प्रभावों की समीक्षा कीजिए।

22. Explain various pricing methods.
विभिन्न मूल्य नीतियों का वर्णन कीजिए।

23. Explain the role of *BCG* Matrix in Marketing.
बी सी जी मैट्रिक्स का विपणन में भूमिका का वर्णन कीजिए।

24. How do you evaluate the performance of channel members ?
वितरण सदस्यों की कुशलता का मूल्यांकन आप किस प्रकार करेंगे ?

25. How do you conduct Test Marketing ?
परीक्षण विपणन आप किस प्रकार करेंगे ?

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

21. Explain Capital Asset Pricing Model in detail.
केपिटल-एसेट प्राईसींग मॉडल का वर्णन कीजिये।

22. "Additivity of Present Value feature of *NPV* makes it a superior tool of capital budgeting decision as compared to *IRR*". Discuss.
एन.पी.वी. के वर्तमान मूल्य के संयोज्य का लक्षण उसको आई.आर.आर की तुलना में पूंजी बजटिंग निर्णय का उत्कृष्ट साधन बनाता है। चर्चा कीजिये।

23. Discuss Net income approach and Net operating income approach for capital structure with reference to firm-value,
फर्म के मूल्य के संदर्भ में पूंजी सरंचना के शुद्ध आय दृष्टिकोण तथा शुद्ध परिचालन-आय दृष्टिकोण की चर्चा करें।

24. Explain the "Baumol Model" and "Millerorr Model" for cash management.

रोकड़-प्रबंधन के लिये बोमल-मॉडल और मीलर-ओर मॉडल को समझायें।

25. Discuss the role and mechanism of currency swap and interest-rate swap with reference to management of foreign exchange exposure.

विदेशी-विनिमय अभिमुखीकरण-प्रबंधन के संदर्भ में करन्सी-अदलाबदली और ब्याज-दर अदलाबदली की भूमिका और पद्धति की चर्चा करें।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Critically discuss Indian Export Promotion Policies.

भारतीय निर्यात संवर्द्धन नीतियों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

22. Explain India's Foreign Trade Policy.

भारत के विदेश व्यापार नीति का वर्णन कीजिए।

23. Explain the role of marine cargo insurance in international Trade.

विदेशी व्यापार में समुद्री माल बीमा की भूमिका की विवेचना कीजिए।

24. Discuss the nature of international marketing Logistics.

अंतराष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक के प्रकृति की विवेचना कीजिए।

25. Elucidate the role of international capital market in international Trade.

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर्राष्ट्रीय पूंजी बाजार की भूमिका का वर्णन कीजिए।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Why it is important for companies today to make their human resources into a competitive advantage ? Explain and discuss the strategic role of human resource management.

कम्पनियों के लिए क्यों आवश्यक है कि वह अपनी मानव संसाधनों को प्रतियोगिता में लाभ के स्थान पर रखें ? वर्णन कीजिए तथा मानव संसाधन प्रबंध के रणनीतिक भूमिका की विवेचना कीजिए।

OR/अथवा

Explain the stages in the New Product development.

नवीन वस्तु विकास की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

OR/अथवा

"Working–capital is the life-blood of the business" – Justify the statement with discussion of importance, determinents and components of working capital management.

''कार्यशील-पूंजी व्यापार का जीवन रक्तप्रवाह है।'' इस विधान को कार्यशील पूंजी प्रबंधन की या महत्व निर्धारकों एवं संघटकों की चर्चा से तर्क संगत कीजिए।

OR/अथवा

Give a detailed account of international Financial environment.

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय वातावरण का विस्तृत वर्णन कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....